बिहार में नीरा उत्पादन

चर्चा में क्यों?

30 अप्रैल 2025 को शुरू की गई 'मुख्यमंत्री नीरा संवर्द्धन योजना' के तहत, बिहार सरकार का उद्देश्य **ताड़ के वृक्षों के मालिकों** और **ताड़ी निकालने वाले श्रमिकों** को **रोज़गार के अवसर** और **वित्तीय सहायता** प्रदान करना है, जो कि नीरा अर्थात अकण्विति ताड़ के रस से पेय पदार्थ निकालते हैं।

मुख्य बिंदु

- **योजना का कार्यान्वयन:**
  - यह योजना **ताड़ी सीजन (अप्रैल से जुलाई 2025) तक चलती है** और इसे **निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग और जीविका (बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्द्धन सोसाइटी) द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाता है।**
  - बिहार सरकार **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से 20,000 ताड़ी निकालने वालों को 8 रुपए प्रति लीटर नीरा उपलब्ध कराएगी।**
  - इस योजना का लक्ष्य बिहार में चिह्नित 2 लाख ताड़ के वृक्षों से उत्पादन करना है।
- **ताड़ वृक्ष मालिकों के लिये सहायता:**
  - ताड़ वृक्ष मालिकों को 10 वृक्षों तक प्रति लीटर नीरा पर 3 रुपए की प्रोत्साहन राशि मिलेगी।
  - इसका मतलब है कि प्रति वृक्ष 585 रुपए और 10 वृक्षों के लिये अधिकतम 5,850 रुपए।
  - **जीविका द्वारा** DBT के माध्यम से प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएगा।
- **नीरा के स्वास्थ्य लाभ:**
  - नीरा **कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, सोडियम और फास्फोरस जैसे खनिजों से भरपूर है।**
  - यह एक प्राकृतिक **प्रोबायोटिक है**, जो प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करता है और **हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/neera-production-in-bihar